09/4/21 आज पत्रावली पेश हुई। वकील अप्रार्थीगण उप० आये। बहुलार की द० के बाबत बहस द० सुनी गई। प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र का सारांश यह है कि हाल आ० ख० नं० 375/0.71 हैक्टेयर वाके ग्राम नांगल उड़िया तहसील मुण्डावर में स्थित होकर विवादित आराजी में से प्रार्थी ने 0.10 हैक्टेयर गैरमुमकिन रास्ते के लिए दान करदी थी जो उक्त खसरे के रकबा 0.10 हैक्टेयर गैरमुमकिन रास्ते के रूप में दर्ज हो गया एवं शेष रकबा 0.61 हैक्टेयर प्रार्थी का (खाता) रहा था जिस पर अप्रार्थीगण ख० नं० 371, 379, 380 के खातेदारान ने कब्जा कर लिया। अब ये प्रार्थी की आराजी में से निकलना चाहते हैं एवं ख० नं० 375 की पश्चिमी मेंड को ख० नं० 399, 396, 395, 400 के खातेदारान के द्वारा खराब करवाई है। उक्त ख० नं० 375 की पैमाइश दिनांक 24/4/17 को करवाई थी परन्तु उप० एवं पैमाइश के दौरान निशानात कायम पर अप्रार्थीगण जिद कर रहे हैं कि हम प्रार्थी के खेत को छोड़ देंगे/अपने खेत निकलते हुए आराजी खातेदारान की पैमाइश करवाई जाकर पत्थरगढ़ी करवाये जाने के आदेश दिये जाने बाबत निवेदन रहा।

प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया जाकर ... तलबी अप्रार्थीगण, जो कि ... वाद - का ... द० के बाबत जवाब उपस्थित ... में जवाब द० के जवाब को शामिल किया गया एवं प्रार्थना-पत्र

Signature Not Verified
Digitally signed by Ram Singh Rajawat
Date: 2021.06.25 11:41:09 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी एवं
मुण्डावर (अलवर) राज०

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व हुक्म
	के बाबत पक्षकारान की व प्र०क०द० सुनी गई। पत्रावली एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजात के अवलोकन उपरान्त प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को यह न्यायालय स्वीकार योग्य पाता है।	
	आदेश	
	उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी की प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य पाये जाने की स्थिति में विवादित आराजी ख०नं० 375 रकबा 0.71 हैक्टर सम्पूर्ण वाके ग्राम नांगल उडिया तहसील कठूमर जिला अलवर (राज०) के बाबत की दर्ज स्वीकार की जाती है एवं विवादित आराजी की उभय पक्षकारान की आपसी सहमति अनुसार [illegible] कर पक्षकारों के [illegible] किये जाने के तहसीलदार कठूमर को आदेशित किया जाता है। इत्तला हेतु तहसीलदार कठूमर को भिजवाई जावे। बाद तामील पत्रावली निर्णित होकर [illegible] दाखिल दफ्तर हो। सुनाया गया।	
	उपखण्डाधिकारी कठूमर (अलवर) राज०	

Signature Not Verified

Digitally signed by Ram Singh Rajawat
Date: 2021.06.25 11:41:09 IST
Reason: SelfAttested